VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS M N 23 JUN 2023 No. 3 RECEIVED

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 2418)

Name of Candidate	Arpit Kumar		
Medium Eng./Hindi	Hindi	Registration Number	546705
Center	Mukharjee Nagar	Date	23/06/23

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1	10	
2	10	
3	10	
4	10	
5	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	10	
10	10	
11	15	
12	15	
13	15	
14	15	
15	15	
16	15	
17	15	
18	15	
19	15	
20	15	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWENTY** questions printed in **HINDI & ENGLISH**
   इसमें बीस प्रश्न हैं **हिन्दी और अंग्रेजी** में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. विजयनगर साम्राज्य की मूर्तियों में अंतर्निहित प्रमुख लक्षणों का सविस्तार वर्णन कीजिए।
Elaborate on the key traits inherent to the sculptures of the Vijayanagara Empire. (Answer in 150 words) 10

मध्यकालीन विजयनगर साम्राज्य द्रविड़ कला का प्रमुख प्रतिनिधि है, अपनी राजनीतिक पराकाष्ठा के साथ-साथ साम्राज्य ने संस्कृति को भी संरक्षण दिया

विजयनगर साम्राज्य की मूर्तियों में अंतर्निहित लक्षण·

(i)· चूँकि विजयनगर साम्राज्य हिंदू साम्राज्य था अतः इस पर शैव, वैष्णव आदि पंथों का स्पष्ट प्रभाव दृष्टिगोचर है.

(ii) विजयनगर द्रविड़ कला का उत्तरवर्ती चरण है अतः इस पर इसके पूर्ववर्ती चोल, पल्लव, आदि का भी प्रभाव है.

(iii) विजयनगर काल में बनी मूर्तियाँ उच्च आध्यात्मिक संदेश लेती थी।

(iv) निर्माण सामग्री के रूप में ग्रेनाइट तथा सेलखड़ी दोनों का प्रयोग किया जाता

था।

(iv) मूर्तियों में मानवीय मूर्तियों की संख्या अधिक है।

(v) मूर्तिकारों को राजकीय आश्रय तथा प्रोत्साहन प्राप्त होता था।

(vi) विजयनगर काल की मूर्तियों ने तत्समय के पड़ोसी राज्यों की कला को भी प्रभावित किया।

"इस प्रकार अपने राजनीतिक योगदान के साथ-साथ विजयनगर साम्राज्य ने मूर्तिकला तथा अन्य दृश्य कलाओं के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक धरोहर को भी समृद्ध किया।"

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. महिला क्रांतिकारियों ने भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष में साहसिक और अविस्मरणीय योगदान दिया है। चर्चा कीजिए।

Women revolutionaries made brave and unforgettable contributions to the freedom struggle in India. Discuss. (Answer in 150 words) 10

1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम से लेकर आजादी तक की संपूर्ण लडाई में महिला क्रांतिकारियों का अविस्मरणीय योगदान रहा है-

19वीं सदी में महिला क्रांतिकारियों की भूमिका :

1857 के स्वतंत्रता संग्राम में रानी लक्ष्मीबाई सहित अनेक स्थानीय महिलाओं ने अपनी साहसिक क्षमता का परिचय दिया.

असहयोग आंदोलन के पश्चात उत्पन्न क्रांतिकारी गतिविधियों में महिलाओं की भूमिका·

- सूर्यसेन (मास्टर दा) के नेतृत्व में गठित इंडियन रिपब्लिकन आर्मी का नेतृत्व महिला क्रांतिकारियों ने किया
- सुनीति घोष ने बंगाल में जिलाधिकारी की हत्या करके महिलाओं में क्रांति की भावना जगायी।
- प्रीतिलता वाडेकर तथा अन्य सहयोगी महिलाओं ने बंगाल में असहयोग आंदोलन के बाद के

निर्वात को भरा।

- वहीं उत्तरप्रदेश तथा पंजाब में HSA के नेतृत्व में दुर्गाबाई देशमुख आदि महिलाओं ने क्रांतिकारी गतिविधियों का नेतृत्व किया.

सविनय अवज्ञा आंदोलन के पश्चात:
→ चटगांव डकैती में महिलाओं की मुख्य भूमिका रही
→ जनजातीय महिलाओं में रानी गाइदिन्ल्यू का महत्वपूर्ण योगदान रहा.
→ भारत छोड़ो आंदोलन के समय महिलाओं ने भूमिगत गतिविधियों में विशेष योगदान दिया।

महिलाओं में क्रांतिकारी भावना भारत के साथ-साथ विदेशों में भी देखी गयी जिसमें पेरिस में भीकाजी कामा का नाम उल्लेखनीय है।

"महिला क्रांतिकारियों ने न केवल स्वतंत्रता की दिशा में प्रगति की बल्कि महिलाओं को नेतृत्व भी प्रदान किया तथा समाज में समानता की भावना पैदा की।"

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. चर्चा कीजिए कि अंग्रेजों द्वारा भारत में अंग्रेजी शिक्षा की शुरुआत ने किस प्रकार देश में उपनिवेशवाद विरोधी प्रवृत्ति को मजबूत करने में सहायता प्रदान की है।

Discuss how the introduction of English education in India by the British helped strengthen anti-colonialism in the country. (Answer in 150 words) 10

1853 में चार्ल्स वुड डिस्पैच के माध्यम से प्रारंभ हुयी अंग्रेजी शिक्षा के उपनिवेश विरोधी जाग्रति क्ययम करने में बहुआयामी भूमिका रही।

अंग्रेजी शिक्षा द्वारा देश में उपनिवेशवाद विरोधी जागृति को मजबूती

- अंग्रेजी शिक्षा ने भारतीयों को रूसो, माण्टेस्क्यू वाल्टेयर आदि की शिक्षाओं से परिचित कराकर उनमें लोकतांत्रिक भावना पैदा की।
- अंग्रेजी शिक्षा के द्वारा भारत में एक मध्य वर्ग का उदय हुआ जो शिक्षित था, तार्किक था।
- मध्य वर्ग के साथ हो रहे भेदभाव तथा बढ़ती बेरोजगारी ने यह दिखाया कि किस प्रकार भारतीय अर्थव्यवस्था उपनिवेशवादी अर्थव्यवस्था बन गयी है।

- अंग्रेजी शिक्षा ने भारतीय समाज में व्याप्त पिछड़ापन तथा कुरीतियों को उजागर किया जिसने अंततः भारतीय प्रबोधन तथा सामाजिक धार्मिक आंदोलन को प्रेरित किया।
- अंग्रेजी शिक्षा ने भारतीय समाज में व्याप्त हीन भावना को समाप्त किया।
- अंग्रेजी शिक्षा के द्वारा भारतीयों को उपनिवेशवाद का ज्ञान हुआ तथा वह यह समझ सके कि ब्रिटिश शासन मातृदेश के हित में है न कि भारत के।
- 'प्रतिनिधित्व नहीं तो कर नहीं' जैसी राजनीतिक चेतना की जागृति में अंग्रेजी शिक्षा का विशेष योगदान रहा है।

"हालांकि हमें यह ध्यान रखना कि उपर्युक्त लाभ अंग्रेजी शिक्षा के उपउत्पाद मात्र थे क्योंकि अंग्रेजों ने स्वहित में अंग्रेजी शिक्षा की शुरुआत की थी।"

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. 20वीं सदी के अंत में सोवियत संघ के विघटन का भारत पर दूरगामी प्रभाव पड़ा है। चर्चा कीजिए।

The disintegration of the Soviet Union in the late 20th century had a profound impact on India. Discuss. (Answer in 150 words) 10

भारत स्वतंत्रता आंदोलन के समय से ही समाजवादी मूल्यों को धारण करता था ऐसे में 1991 में सोवियत संघ का विघटन वैश्विक संबंधों में भारत के लिए युगांतरकारी घटना साबित हुयी -

सोवियत संघ के विघटन के भारत पर आर्थिक प्रभाव -

- भारत योजनागत अर्थव्यवस्था की कमियों से परिचित हुआ तथा 1991 में ही उसने आर्थिक उदारीकरण अपनाया।

राजनैतिक प्रभाव -

- भारत के राजनीतिक मूल्यों में उदारवाद की ओर झुकाव बढ़ा तथा राज्य की भूमिका में कमी आयी.
- समाजवादी तथा साम्यवादी दलों की लोकप्रियता में कमी आयी।

भारतीय राजनीति पर सोवियत संघ की

घटनाओं का प्रभाव कम हुआ.

सामरिक प्रभाव -

भारत, अब अपने सामरिक हथियारों के आयातों को वैविध्यपूर्ण किया। जिसमें अमेरिका, फ्रांस तथा इजरायल मुख्य स्रोत बने।

विदेश नीति पर प्रभाव :

भारत पश्चिमी देशों के अधिक निकट गया, वर्तमान में क्वाड महत्वपूर्ण उदा. तथा तत्समय अमेरिका के साथ सिविल न्यूक्लियर डील।

भारत द्वारा पडोसी देशों के साथ संबंधों पर अधिक फोकस प्रारंभ हुआ

1991 की एक्ट ईस्ट नीति.

"हालांकि सोवियत संघ के तत्व के रूप में रूस के साथ भारत के चिरकालिक मित्रता के संबंध रहे हैं किंतु सोवियत विघटन ने भारत के लगभग हर पहलू को प्रभावित किया है"

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. मौजूदा मुद्दों को ध्यान में रखते हुए, भारत में शहरी अवसंरचना और परिवहन (मोबिलिटी) सेवाओं में सुधार की आवश्यकता पर लैंगिक दृष्टिकोण से चर्चा कीजिए।

In view of the prevailing issues, discuss the need for reforming the urban infrastructure and mobility services in India through a gender lens. (Answer in 150 words) 10

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार भारत में 2050 तक 50% शहरीकरण हो चुका होगा ऐसे में शहरी अवसंरचना व परिवहन में लैंगिक समावेश की आवश्यकता है.

शहरी अवसंरचना और परिवहन में मौजूद वर्तमान लैंगिक मुद्दे -

1. भारतीय शहरों के सार्वजनिक स्थल निरपवाद रूप से पुरुष केंद्रित रहे हैं ऐसे में महिलाओं तथा समलैंगिकों की सार्वजनिक स्थलों में निजता का हनन होता है।

2. आज भी शहरों में मौजूद विद्यालयों तथा कार्यालयों में महिला प्रसाधन का अभाव है तथा महिलाओं हेतु चाइल्ड केयर के लिए क्रेच का अभाव है।

3. शहरी परिवहन सेवाओं में व्याप्त भीड़ महिलाओं को लैंगिक हिंसा हेतु

संवेदनशील बनाती है।

4. वाहनों तथा रास्तों में सीसीटीवी कैमरों का न होना महिला सुरक्षा को प्रभावित करता है।

5. रात्रि के समय प्रकाश का अभाव परिवहन को लैंगिक दृष्टि से असुरक्षित बनाता है.

सुधारों की रूपरेखा:
- सार्वजनिक स्थलों में महिलाओं की मिजता को अपहोल्ड करना
  - वीमेन केयर रूम की स्थापना
- सार्वजनिक कार्यालयों हेतु बी.आई.एस. हेतु लैंगिक समावेशी निर्माण कार्य हेतु मानदंड बनाना.
- सार्वजनिक परिवहन की गुणवत्ता में सुधार
  - दिल्ली सरकार की बसों में सुरक्षा कार्मिकों की उल्लेखनीय पहल
- परिवहन मार्गों पर संवेदनशील बिंदुओं की निगरानी करना.

"इस प्रकार लैंगिक मुद्दों का समावेश ही भारतीय शहरों को सही मायने में स्मार्ट शहर बनायेगा।"

6. भारत में, 2011-21 में वृद्धजनों की जनसंख्या की वृद्धि दर सामान्य जनसंख्या की वृद्धि दर से लगभग तीन गुना थी। इस संदर्भ में, चर्चा कीजिए कि वृद्धजनों हेतु नीतियों का निर्माण भारत के समग्र विकास के लिए एक महत्वपूर्ण पहलू क्यों है।

In India, the rate of growth of elderly population in 2011-21 was about three times the rate of growth of the general population. In this context, discuss why policies for the elderly are a crucial aspect for India's overall development. (Answer in 150 words) 10

1990 के पश्चात से भारत की जीवन प्रत्याशा में वृद्धि हुयी है जिसका प्रत्यक्ष परिणाम वृद्ध आबादी में बढोत्तरी भी होता है।

वृद्धजन हेतु नीतिनिर्माण भारत के समग्र विकास हेतु महत्वपूर्ण

1. केयर इकॉनॉमी का विचार

वृद्ध आबादी की देखभाल केयर अर्थव्यवस्था में निवेश में वृद्धि करेगी। जिससे रोजगार में भी वृद्धि होगी

2. वृद्धजनों की समाज में सहभागिता

वृद्ध आबादी की सहभागिता समाज में नैतिकता के उच्च प्रतिमान स्थापित करती है। जिससे सामाजिक स्थायित्व बढ़ेगा तथा विकास सुनिश्चित हो सकेगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. वृद्धजनों के स्वास्थ्य पर खर्च में कमी:
वृद्ध आबादी की स्वास्थ्य पर निगरानी तथा उचित इलाज तक पहुँच आउट ऑफ पॉकेट व्यय को कम करेगा।

4. वृद्ध आबादी की अर्थव्यवस्था में सहभागिता-
स्वस्थ वृद्ध आबादी अर्थव्यवस्था में अपना योगदान सुनिश्चित करती है जिससे मानव संसाधनों पर दबाव कम पड़ता है।

"इस प्रकार वृद्धजनों की बहुआयामी पहलुओं को ध्यान में रखते हुये तथा उन्हें शामिल करके नीति निर्माण भारत की विकास गति को द्रुत करेगा।"

7. यद्यपि वैश्वीकरण मानवाधिकारों के उल्लंघन के लिए कथित तौर पर जिम्मेदार है, तथापि यह मानवाधिकार आंदोलनों को इसके अतिक्रमण और नकारात्मक प्रभावों का मुकाबला करने की अनुमति देता है। प्रासंगिक उदाहरणों के साथ सविस्तार वर्णन कीजिए।

While globalisation is allegedly responsible for human rights violations, it allows human rights movements to counter its excesses and negative effects. Elaborate with relevant examples. (Answer in 150 words) 10

वैश्वीकृत दुनिया में व्यक्ति के अधिकार न सिर्फ उसके राष्ट्र से संबंधित होते है बल्कि संपूर्ण विश्व से अंतर्संबंधित होते हैं -

वैश्वीकरण द्वारा मानवाधिकारों का उल्लंघन

- → विकसित राज्य, अल्पविकसित राज्यों में संसाधनों के दोहन द्वारा स्थानीय जनता को उनके अधिकारों से वंचित यथा- चीन द्वारा अफ्रीका, अफगानिस्तान में निवेश
- → श्रमिकों का अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन मेजबान देश में उनके अधिकारों का अतिक्रमण
  - पश्चिम एशिया में कफाला व्यवस्था
- → बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा मॉर्केट अर्थव्यवस्था के माध्यम से स्थानीय जनता के अहरणीय अधिकारों का उल्लंघन।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

हालांकि वैश्वीकरण मानवाधिकार आंदोलन की आवाज भी बनता है तथा उन्हें एक प्लेटफार्म उपलब्ध करवाता है जिसके माध्यम से वे मानवाधिकारों का संरक्षण कर सकें:

- एमनेस्टी इंटरनेशनल आदि एन.जी.ओ. द्वारा राष्ट्रीय सरकारों के खिलाफ आवाज मुखर करना
- सोशल मीडिया के माध्यम से स्थानीय आंदोलनों को वैश्विक सहयोग
- संयुक्त राष्ट्र की संस्थाओं (UNHRC) की प्रभावी भूमिका
- नागरिक समूहों का नेटवर्क स्थापित होना.
- अधिकार चेतना में वृद्धि होना तथा अधिकारों के विपरीत कार्य करने पर सामूहिक दबाव.

"अन्य सभी की तरह अधिकारों के मामले में भी वैश्वीकरण दोधारी तलवार साबित हुआ है हालांकि इसके सकारात्मक प्रभावों के महत्तमीकरण हेतु प्रयास किये जाने चाहिए"

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. हिमालय की वर्तमान अपवाह प्रणाली काफी हद तक क्रमिक नदी अपहरण का परिणाम है। चर्चा कीजिए।

The present drainage system of the Himalayas is, to a great extent, the result of progressive river piracy. Discuss. (Answer in 150 words) 10

नदी अपहरण से तात्पर्य नदी द्वारा अपने मूल परिवहन मार्ग को त्यागकर नये परिवहन मार्ग को अपनाना है, भारतीय उपमहाद्वीप के संदर्भ में हिमालयी नदियाँ इसका उदा० है.

हिमालयी नदी तंत्र.

हिमालय की वर्तमान अपवाह प्रणाली गंगा, ब्रह्मपुत्र तथा सिंधु नदी प्रणाली से मिलकर बनती है, हालांकि ये तीनों नदी प्रणालियां क्रमिक रूप से अपना परिवहन मार्ग बदलती गयी हैं।

इसका एक प्रमुख कारण यह रहा है कि हिमालय का निर्माण विकास क्रम के चतुर्थक काल में हुआ है तथा

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

नवीन वलित पर्वत के रूप में स्थित हिमालय आज भी अस्थिर है।

हिमालय की यह अस्थिरता वर्तमान नदी परिवहन को बाधित कर देती है

उदा. हड़प्पा सभ्यता के खत्म होने में सिंधु नदी के परिवहन मार्ग में बदलाव महत्वपूर्ण कारक.

ऋग्वेद में सरस्वती नदी का विशेष उल्लेख किंतु वर्तमान में सिर्फ साक्ष्य ही

चूंकि हिमालयी नदियाँ अपना जल अपेक्षाकृत बड़े ग्लेशियरों से प्राप्त करती हैं तथा काराकोरम विसंगति ग्लेशियरों को सुरक्षा प्रदान करती है अतः हिमालयी नदी क्रमिक नदी अपहरण में सफल हो जाती है।

" हिमालयी नदी तंत्र भारतीय उपमहाद्वीप की जीवन रेखा है अतः जलवायु परिवर्तन के परिप्रेक्ष्य में इसकी उचित निगरानी सुनिश्चित करनी होगी।"

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. बहुधात्विक ग्रंथिकाओं (पॉलिमेटेलिक नोड्यूल्स) के भौगोलिक वितरण का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए, उनके महत्व पर चर्चा कीजिए।

Illustrate the geographical distribution of polymetallic nodules and discuss their significance. (Answer in 150 words) 10

बहुधात्विक ग्रंथिकाएँ, आलू के आकार की धातु संरचनाएँ हैं, जो खनिज संपदा लिये होती हैं तथा यह मुख्यत: सभी महासागरों में पायी जाती हैं।

भौगोलिक वितरण

बहुधात्विक ग्रंथिकाएँ हिंद महासागर समेत निम्न क्षेत्रों में पायी जाती हैं -

I. हिंद महासागर
II. अटलांटिक महासागर
III. दक्षिणी चीन सागर
IV. उत्तरी सागर
V. उत्तरी प्रशांत महासागर
VI. दक्षिणी प्रशांत महासागर।

बहुधात्विक ग्रंथिकाओं का महत्व

आर्थिक महत्व

P.N.: कोबाल्ट, निकिल समेत दुर्लभ मृदा

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

धातुएँ हैं जिनका उच्च आर्थिक मूल्य है। ऊर्जा संसाधन की दृष्टि से भी ये मूल्यवान हैं।

- किसी भी राष्ट्र को इनकी छोटी सी मात्रा भी सैकड़ों वर्षों हेतु संपन्न कर सकती है

सामरिक महत्व

- उभरती हुयी प्रौद्यो. तथा हथियारों के
- निर्माण में प्रयोग

वैज्ञानिक महत्व

- निष्कर्षण तथा सर्वेक्षण में प्रयुक्त तकनीकि से संपन्न होना.

पारिस्थितिकी महत्व

- महासागरीय नितल की जानकारी में वृद्धि
- नवीकरणीय संसाधनों का स्रोत

"पॉलीमेटेलिक नॉड्यूल्स के बहुआयामी महत्व को देखते हुये भारत को अपने आवंटित क्षेत्र का शीघ्रातिशीघ्र निष्कर्षण किया जाना चाहिए"

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. द्वीपसमूह से आप क्या समझते हैं? इनके निर्माण में शामिल विभिन्न प्रक्रियाओं को उदाहरण सहित समझाइए।

What do you understand by archipelagos? Explain the different processes involved in their formation, with examples. (Answer in 150 words) 10

द्वीपसमूह से तात्पर्य द्वीपों के समूह से है जिनका निर्माण पृथ्वी की आंतरिक गतिविधियों के कारण होता है -

यथा - इक्वाडोर द्वीप समूह
अंडमान द्वीप समूह
जापानी द्वीप समूह.

निर्माण में शामिल प्रक्रियाएँ -

(i) - द्वीपीय चाप व द्वीपीय तोरण .

(ii) ज्वालामुखी की उत्पत्ति .

ज्वालामुखी से उत्पन्न लावा, ठंडा होकर द्वीप समूहों का निर्माण करता है

यथा - अंडमान द्वीप समूह
रिंग ऑफ फायर में उपस्थित द्वीपों की श्रृंखला .

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(iii) मेंटल प्लूम :

मेंटल प्लूम में विवर्तनिकी गतिविधियों के परिणामस्वरूप द्वीपों का निर्माण होता है।

(iv) कोरलों द्वारा द्वीप समूह निर्माण :

लक्षद्वीप द्वीप समूह इसका प्रमुख उदाहरण है.

(v) मध्य महासागरीय कटक की उपस्थिति :

अटलांटिक महासागर में उपस्थित द्वीपसमूहों के निर्माण का प्रमुख कारक।

" पृथ्वी पर द्वीपसमूह जैवविविधता को आश्रय देने के साथ-साथ मानवीय अधिवासों हेतु भी उत्तरदायी हैं "

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. भारत में जनजातीय और लोक कलाएं अपने अस्तित्व को बनाए रखने हेतु आधुनिक युग की कई चुनौतियों का सामना कर रही हैं। चर्चा कीजिए। साथ ही, इस संबंध में सरकार द्वारा प्रारंभ की गई विभिन्न पहलों को रेखांकित कीजिए।

Tribal and folk arts in India are confronting several challenges of the modern age in a bid to survive. Discuss. Also, highlight the various initiatives taken by the government in this regard. (Answer in 250 words) 15

भारत की सांस्कृतिक विविधता में जनजातीय तथा लोककलाओं का अतुलनीय योगदान है।

भारत में जनजाति और लोककलाएँ.

1. भारत में जनजातियाँ एक विषमांगी समूह का निर्माण करती हैं।

11. जनजातियों में मौजूद विविधता उनकी लोक कलाओं को विशिष्ट और समृद्ध करती है

यथा • मणिपुर की जनजातियों द्वारा मार्शल आर्ट कलाएँ

• मध्य भारत की जनजातियों के धार्मिक अनुष्ठान तथा लोक कलाएँ

• पहाड़ी जनजातियों के लोक संगीत व नृत्य.

आधुनिक युग की चुनौतियों का सामना :

1. तकनीकि व सूचना संचार के युग में जनजातियों के क्षेत्रों में अतिक्रमण हुआ है.

2. उनके संस्कृतिकरण के द्वारा भी उनकी लोक कला को नष्ट किया जा रहा है।

3. लोक कलाओं की आर्थिक क्षमता सीमित होती है

4. ऐसे में कलाकारों को जीवन निर्वाह का दूसरा साधन देखना पड़ता है

5. निजी क्षेत्र द्वारा लोक कलाओं का अतिक्रमण तथा उनका व्यवसायीकरण

हालांकि जनजाति लोक चित्रकला के महत्व को समझते हुये भारत सरकार तथा राज्य सरकारों द्वारा इनके संरक्षण हेतु निम्न प्रयास किये जा रहे हैं -

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(i) जी. आई. टैग की प्राप्ति.
जी. आई. टैग लोक कला को पहचान प्रदान करता है तथा संरक्षण सुनिश्चित करता है।

(ii) यूनेस्को के साथ सहयोग स्थापित करना -
यूनेस्को द्वारा मान्यता, इन कलाक्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा दे रही है।

(iii) शिल्पग्राम.
केंद्र सरकार द्वारा लोक कलाओं के संपूर्ण विकास के लिए शिल्पग्राम की अवधारणा प्रस्तुत की गयी है।

" हालांकि जनजातियों की भारतीय समाज में विशिष्ट स्थिति तथा लोक कलाओं के सांस्कृतिक योगदान को देखते हुये एक व्यापक नीति की आवश्यकता है ताकि सबका साथ, सबका विकास सुनिश्चित हो सके।"

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. भारतीय शास्त्रीय नृत्यों की विशिष्ट विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। साथ ही, चर्चा कीजिए कि ये नृत्य किस प्रकार आध्यात्मिकता की अभिव्यक्ति हैं।

Highlight the distinguishing features of Indian classical dances. Also, discuss how these dances are a manifestation of spirituality. (Answer in 250 words) 15

भारत में 8 नृत्यों को शास्त्रीय नृत्यों की संज्ञा दी गयी है.

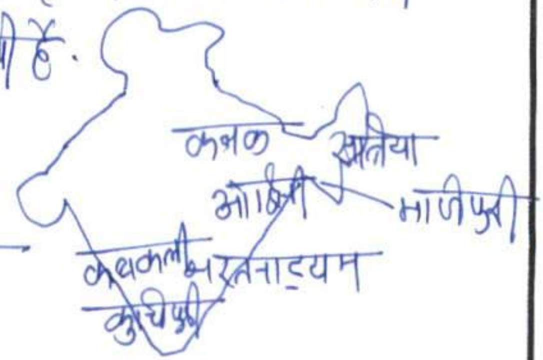

भारतीय शास्त्रीय नृत्यों की विशेषता

1. नृत्यों का एक विशिष्ट क्रियाविधि है जो संपूर्ण क्षेत्र में मानकीकृत है।

2. भारतीय शास्त्रीय नृत्य, भारतीय पोशाक को विभाषित करते हैं।

3. अपने क्षेत्र की सांस्कृतिक विशेषताओं को धारण करते हैं।

4. पुरुष तथा नारी में समानता स्थापित करते हैं।

5. पश्चिम के विपरीत अपेक्षाकृत शांत नृत्य हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. प्रत्येक नृत्य में पूर्ण परिभाषित भाव भंगिमाएँ हैं यथा तांडव.

7. पुरुष तथा महिला के लिए अलग-अलग भाव भंगिमाएँ हैं.
महिला ⇒ लास्य नृत्य.

भारतीय नृत्य तथा आध्यात्मिकता की अभिव्यक्ति

I. भारतीय नृत्यों की उत्पत्ति वेदों में देखी जा सकती है.

II. नृत्य आरंभ होने से पूर्व आराध्य की पूजा-आर्चना की जाती है।

III. नृत्य को मंदिर का आश्रय प्राप्त होता है।

IV. प्रत्येक नृत्य किसी न किसी भगवान से संबंधित है
यथा- तांडव, भगवान शिव से।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

V. नृत्य के द्वारा आध्यात्मिक अनुभूति का प्रयास।

"भारतीय संस्कृति में आध्यात्म एक प्रबल तत्व रहा है तथा यह समान रूप से भारतीय शास्त्रीय नृत्य में भी देखा जासकता है"

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. चौरी-चौरा की घटना द्वारा भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष की गति को कुछ समय के लिए धीमा कर देने के बावजूद, असहयोग आंदोलन भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष के इतिहास में एक निर्णायक मोड़ के रूप में बना रहा है। चर्चा कीजिए।

Despite the Chauri Chaura incident slowing down the momentum of Indian freedom struggle for a while, the Non-Cooperation Movement remains a watershed in the history of the Indian freedom struggle. Discuss. (Answer in 250 words) 15

5 फरवरी 1922 की उत्तर प्रदेश की चौरी-चौरा घटना ने असहयोग आंदोलन को खत्म जरूर किया किंतु इससे असहयोग आंदोलन के बहुआयामी परिणामों पर प्रभाव नहीं पड़ा.

चौरी चौरा घटना द्वारा स्वतंत्रता आंदोलन की गति में ठहराव आना.

↳ इस घटना से सविनय अवज्ञा आंदोलन अगले दशक के लिये स्थगित हो गया

↳ गांधी जी तथा अन्य महत्वपूर्ण नेताओं की हिरासत से नेतृत्व में शून्यता उत्पन्न की

↳ सरकार द्वारा आंदोलन को हिंसक कहकर दबाया गया तथा 1930 तक कोई बड़ा आंदोलन नहीं हुआ.

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

हालांकि इस ठहराव के पश्चात भी असहयोग आंदोलन निम्न प्रकार से स्वतंत्रता संघर्ष में महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ

1. इसने अंग्रेजों की अजेयता का मिथक तोड़ दिया।

2. इसने आंदोलन को अखिल भारतीय स्वरूप का दर्जा दिया। जिसमें सभी क्षेत्रों तथा सभी वर्गों, धर्मों आदि की सहभागिता थी।

3. असहयोग आंदोलन ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को सांगठनिक एकता प्रदान की

4. इसने भारतीयों में स्वराज्य तथा समानता की भावना जागृत की।

5. असहयोग आंदोलन में महिलाओं की भागीदारी ने आगे भारत छोड़ो आंदोलन में उन्होंने उन्हें नेतृत्वकारी भूमिका में स्थापित किया।

6. भारतीय पूंजीपति वर्ग की सहभागिता ने

अंग्रेजों के इस विश्वास को तोड़ा कि औद्यो-
-गिक वर्ग उनके साथ है।

7 भारतीय इतिहास में जिस पैमाने पर
मुसलमानों की सहभागिता इस आंदोलन
में देखी अन्यत्र दुर्लभ है.

आंदोलन के तात्विक परिणाम.
- → भारतीयों द्वारा स्पष्टतः स्वराज तथा आगे पूर्ण स्वराज की मांग की गयी
- → भारतीयों को संतुष्ट करने हेतु भारत शासन अधि. 1935 का गठन
- → सभी वर्गों द्वारा कांग्रेस का नेतृत्व स्वीकार करना
- → गांधीवादी रजनीति की सफलता साबित हुयी तथा आगे भी आंदोलनों में अहिंसा को सर्वोपरि रखा गया।

"हालांकि आंदोलन की असमय वापसी
ने भारतीयों को निराश जरूर किया किंतु
यह संघर्ष-विजय-संघर्ष का हिस्सा था,
इसका परिणाम यह हुआ कि असहयोग
आंदोलन आज भी भारतीयों को जागृति
प्रदान करता है।"

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

14. शिक्षा और विदेशी मामलों के क्षेत्र में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के योगदान को वर्णित कीजिए।

Bring out the contributions of Dr. Sarvepalli Radhakrishnan in the fields of education and foreign affairs. (Answer in 250 words) 15

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन भारत के 2 बार उपराष्ट्रपति रहे तथा शैक्षणिक कार्यों में उनके योगदान को चिन्हित करने हेतु उनके जन्मदिवस को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है.

शिक्षा के क्षेत्र में योगदान :

1. अन्य के विपरीत डॉ. राधाकृष्णन की पूरी शिक्षा भारत में ही हुयी थी अतः वे शिक्षा के भारतीय मूल्यों से परिचित थे।

2. उन्होंने बनारस हिंदू विश्व. तथा ऑक्सफोर्ड आदि संस्थाओं में शैक्षणिक कार्य भी किया.

3. डॉ. राधाकृष्णन के प्रयासों से यू.जी.सी. का गठन हुआ जो आज भी शिक्षा व्यवस्था की नियामक की अपनी भूमिका को संपादित कर रहा है.

4. स्वतंत्रता के उपरांत उच्च शिक्षा को डिजाइन करने मे डॉ कृष्णन का विशेष

योगदान है।

6. साथ ही अपनी शिक्षा व्यवस्था में डॉ. कृष्णन गांधीवादी मूल्यों तथा शिक्षा की वर्धा योजना को भी शामिल करते हैं।

7. डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन आध्यात्मिक तथा भौतिक मूल्यों में संतुलन साधते हुये शिक्षा प्रदान करने में जोर देते थे.

विदेशी मामलों में योगदान :

1. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने भारत की संस्कृति को विश्व के समक्ष रखा.

2. इन्होंने अपने पूर्ववर्ती नीति को कायम रखते हुये राष्ट्रपति के अपने कार्यकाल में गुटनिरपेक्षता का अनुसरण किया।

3. सोवियत संघ के राजदूत के रूप में इनका कार्यकाल भारत-सोवियत संबंधों को शिखर पर पहुँचाया.

4. डॉ. राधाकृष्णन ने अंतर्राष्ट्रीय संगठनों में भारत का मुखर नेतृत्व किया.

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

विदेश नीति में सॉफ्ट पावर का प्रयोग हेतु डॉ॰ सर्वपल्ली का उल्लेखनीय कार्य है।

"इस प्रकार डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन शिक्षा, विदेश आदि क्षेत्रों में भारत को प्रभावी नेतृत्व प्रदान किये तथा उनकी सांस्कृतिक दृष्टि के लिए आज भी भारत उनका ऋणी है।"

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

15. कृषि के नारीकरण को प्रेरित करने वाले कारकों को सूचीबद्ध कीजिए तथा इसके प्रभावों पर चर्चा कीजिए। साथ ही, उन तरीकों का भी वर्णन कीजिए जिनके माध्यम से महिलाओं को इस संदर्भ में सशक्त बनाया जा सकता है।

Enumerate the factors driving feminization in agriculture and discuss its effects. Also, state the ways in which women can be empowered in this regard. (Answer in 250 words) 15

असंगठित क्षेत्रक में कार्य करने वाली 80% से अधिक महिलाएँ कृषि कार्यों में संलग्न हैं। (एन.एस.ओ.) भारत में यह तस्वीर कृषि में हो रहे नारीकरण को स्पष्ट करती है.

कृषि के नारीकरण को प्रेरित करने वाले कारक :

1. कृषि में निम्न यील्ड: परिवार के पुरुषों को कृषि कार्यों हेतु हतोत्साहित करती है।
2. शहरों में कार्य का आकर्षण पुरुषों के प्रवास को प्रोत्साहित करता है ऐसे में गाँवों में रहकर कृषिकार्य महिलाओं को ही करना पड़ता है।
3. कृषि का श्रमसाध्य होना भी कृषि के नारीकरण का महत्वपूर्ण कारक है।
4. महिलाओं की निम्न मजदूरी उन्हें खेतिहर मजदूर हेतु उपयुक्त बनाती है.

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. कृषि में बढ़ रहा मशीनीकरण भी कृषि में महिलाओं की भूमिका में वृद्धि कर रहा है।

कृषि में नारीकरण के प्रभाव :

1. कृषि में श्रम का आनुपातिक संतुलन न होने से उपज प्रभावित होती है
2. महिलाओं की सार्वजनिक जीवन में भूमिका में वृद्धि तो होती है हालांकि उनके ऊपर कार्य का दोहरा बोझ पड़ता है।
3. कृषि में नारीकरण शहरों में पुरुष ~~प्रभाव~~ प्रवास को बढ़ावा देता है जो सामा. संरचना तथा शहरी अवसंरचना को प्रभावित करता है।
4. कृषि का नारीकरण किशोरियों की शिक्षा को बाधित करता है तथा साथ ही बालश्रम को भी बढ़ावा देता है।
5. कृषि में निवेश में कमी आती है।
6. कार्य के दोहरे बोझ से महिलाओं का स्वास्थ्य तथा उनकी सांस्कृतिक भूमिका प्रभावित होती है।

महिलाओं को सशक्त बनाने के तरीके:

- → महिलाओं को भूमि स्वामित्व का अधिकार मिले।
- → महिला कृषि एक्सटेंशन सेवाओं की शुरुआत
- → महिलाओं के पक्ष में कृषि का मशीनीकरण हो
- → महिलाओं के कार्यबोझ को संतुलित किया जाना चाहिए
- → खेतिहर महिला मजदूरों को समान मजदूरी तथा उनकी शोषण से सुरक्षा सुनिश्चित करना
- → पुरुषों के प्रवास को हतोत्साहित किया जाए ताकि पुरुष भी सहयोगी भूमिका निभाएं.

"इस प्रकार महिलाओं के सशक्तीकरण से कृषि के नारीकरण के लाभों को महत्तम तथा कुप्रभावों को कम से कम किया जा सकता है।"

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

16. भारत में, आत्महत्या 15-29 आयु वर्ग के लोगों में मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक बन गई है। इसके लिए उत्तरदायी कारणों को स्पष्ट करते हुए, राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम रणनीति के प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रों पर चर्चा कीजिए।

In India, suicide has become one of the leading causes of death among those aged 15-29. Bringing out the reasons behind the same, discuss the priority areas of the National Suicide Prevention Strategy. (Answer in 250 words) 15

भारत में. लैंसेट की एक स्टडी के अनुसार (15-29) आयु वर्ग के लोगों में आत्महत्या की दर वैश्विक औसत की दोगुनी है।

(15-29) आयुवर्ग के लोगों में आत्महत्या के लिए उत्तरदायी कारण·

1· बेरोजगारी·

चूँकि यह आयु कार्यशाली आयु है तथा भारत में निरंतर 6%. से उच्च के स्तर की बेरोजगारी बनी हुयी है (ILO) । अतः यह सामाजिक दबाव तथा आर्थिक तंगता दोनों को बढाती है

II. पारिवारिक तनाव·

अक्सर भारतीय परिवार युवाओं के आधुनिक मूल्यों को समावेशित नहीं कर पाते.

III. नशे की प्रवृत्ति :

— उत्तरी तथा दक्षिणी पश्चिमी भारत में युवा नशे की समस्या से पीड़ित हैं तथा यह उनमें अवसाद, विकार उत्पन्न करती है.

IV. सोशल मीडिया :

— सोशल मीडिया में अपरिक्षित कंटेंट का सेंसरशीप से परे होना तथा युवाओं द्वारा दूसरे से तुलना करना, रिलेशनशीप मुद्दे भी आत्महत्या का कारण बनते हैं

राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम रणनीति निम्न बिंदुओं के माध्यम से 2030 तक 10% आत्महत्या में कमी का लक्ष्य रखती है.

I. आत्महत्या एक सामाजिक कलंक :

आत्महत्या का प्रयास करने वाला व्यक्ति पीड़ित होता है न कि अपराधी

II. जागरूकता में प्रसार :

स्कूली पाठ्यक्रम, सेमिनार तथा सोशल मीडिया के माध्यम से युवाओं को आत्महत्या

के खिलाफ जागरूक करना.

III. नशामुक्त भारत का समर्थन.

नशे से पीड़ित व्यक्तियों को काउंसलिंग तथा पुनर्वास की सुविधा प्रदान करना

IV. पीयर टू पीयर निगरानी.

पीयर टू पीयर निगरानी सरकारी एजेंसियों की निवारक क्षमता में वृद्धि कर आत्महत्या को रोकने में सहायक होगी।

∴ आत्महत्या किसी भी आयुवर्ग में खतरनाक है किंतु युवा वर्ग में यह राष्ट्र को उसके संसाधनों तथा परिवार को उसकी उम्मीदों से वंचित करती है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

17. विश्व भर में पाए जाने वाले विभिन्न प्रकार के मरुस्थलों के निर्माण की व्याख्या करते हुए, उनका विवरण प्रस्तुत कीजिए और उनकी विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

Explaining their formation, provide an account of the various kinds of deserts found across the world along with their characteristics. (Answer in 250 words) 15

मरुस्थलों से तात्पर्य ऐसे क्षेत्रों से हैं जो वार्षिकत: 25 सेमी. से कम वर्षा प्राप्त करते हैं; मरुस्थल प्रकृति में महत्व-पूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में कार्य करते हैं-

मरुस्थलों के निर्माण हेतु निम्न-लिखित प्रक्रम उत्तरदायी होती हैं.

1. उपोष्णकटिबंधीय मरुस्थल.

पछुआ पवनों के प्रभाव में इन मरुस्थलों का निर्माण होता हैं. कर्क रेखा तथा मकर रेखा के समीप जब शुष्क पछुआ पवनों का आगमन होता है तो प्रतिचक्रवातीय दशाओं का निर्माण होता है और मरुस्थलों का विकास होता है.

यथा: कालाहारी मरुस्थल
आस्ट्रेलिया के मरुस्थल.

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. तटीय मरुस्थल

ठंडी वायुराशियों के प्रभावाधीन इन मरुस्थलों का निर्माण होता है, तापमान को अत्यंत कम करते हुए यहाँ ठंडे मरुस्थल विकसित होते हैं।

यथा. थार मरुस्थल.

3. अंतरक्षेत्रीय मरुस्थल

महाद्वीपों के आंतरिक भागों में इन मरुस्थलों का निर्माण होता है, आंतरिक भाग तक पहुंचते पहुँचते पवनें अपनी आर्द्रता खो देती हैं तथा ऐसे क्षेत्रों में वर्षा का अभाव होता है.

यथा. गोबी मरुस्थल
तकला मकान मरुस्थल.

4. पर्वतविमुखी मरुस्थल.

पर्वत के विपरीत ढाल पर उतरती हुयी पवनें गर्म हो जाती हैं तथा मरुस्थल के निर्माण में सहायक होती हैं.

यथा. अटाकामा मरुस्थल.

विशेषताएँ

- मरुस्थल, विशेष प्रकार की वनस्पति को आश्रय प्रदान करते हैं।
- ये पृथ्वी की जैवविविधता में वृद्धि करते हैं
- पृथ्वी के ताप संतुलन में सहायक हैं
- मरुस्थल पवन समीर को प्रभावित करती हैं
- मरुस्थल, मानवीय विकास हेतु अनुसंधान का कार्य करते हैं।

मरुस्थल पारिस्थितिकी तंत्र का भाग है अतः इनकी जलवायु परिवर्तन से रक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

18. भू-संचलन के कारण निर्मित झीलों का संक्षिप्त विवरण देते हुए, झीलों के आर्थिक और पारिस्थितिक महत्व पर चर्चा कीजिए।

Giving a brief account of the lakes formed due to Earth's movement, discuss the economic and ecological significance of lakes. (Answer in 250 words) 15

झीलें: नदियों; महासागरों से इतर जल का स्रोत हैं तथा जलीय पारिस्थितिकी तंत्र का महत्वपूर्ण भाग हैं।

भूसंचलन से तात्पर्य पृथ्वी की गति के कारण उसकी आंतरिक तथा बाह्य संरचना में परिवर्तन से है -

विवर्तनिकी संचलन — भ्रंशन

उपर्युक्त दोनों ही प्रकार की झीलों का वर्णन निम्नानुसार है:

(i) विवर्तनिकी संचलन

भारत की वुलर झील, तिब्बत की अधिकांश झीलें तथा टिटिकाका झील विवर्तनिकी संचलन का उदा० है।

(ii) भ्रंशन

भ्रंशन से उत्पन्न झीलें

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

मुख्यत: पूर्वी अफ्रीकी महाद्वीप में पायी जाती हैं. ये झीलें रिफ्ट वैली में स्थित हैं यथा.
- तंगानिका झील, मलावी झील
- युगांडा की तीनों झीलें

झीलों का आर्थिक महत्व.

1. वृहद झीलें मत्स्यपालन का स्रोत बनती हैं।
2. झीलों के माध्यम से जल परिवहन सुगम्य होता है तथा इससे झीलें औद्योगिक संकेंद्रण का केंद्र बनती हैं
यथा अमेरिका की महान झीलें.
3. झीलें अपने विशेष गुणों के कारण पर्यटन को भी प्रोत्साहित करती हैं.
यथा- महाराष्ट्र की लोनार झील
कश्मीर की डल, वुलर झील.
4. झीलों के माध्यम से संसाधनों की भी प्राप्ति होती है-
यथा- डिडवाना, कुचामन झीलों से नमक उत्पादन.

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

झीलों का पारिस्थितिकी महत्व

1. झीलें वृहद संख्या में जलीय जीवों को आश्रय प्रदान करती हैं
2. साथ ही ये अपशिष्ट को अवशोषित भी करती हैं.
3. जलीय वनस्पतियों के द्वारा ये खाद्य शृंखला को बनाये रखती हैं
4. झीलों में प्रवासी पक्षी आश्रय लेते हैं.
5. झीलें आसपास के पर्यावरण के लिए रक्षक का कार्य करती हैं।

"इस प्रकार झीलें न सिर्फ आर्थिक व पारिस्थितिकी दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं बल्कि सांस्कृतिक रूप में भी समान महत्व रखती हैं।"

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

19. भारत के पास 1,80,000 मेगावाट महासागरीय तापीय ऊर्जा उत्पादित करने की क्षमता है, हालांकि, इस दिशा में प्रगति धीमी रही है। इस संदर्भ में, संबंधित चुनौतियों को रेखांकित कीजिए और सुधारात्मक उपायों का सुझाव दीजिए।

India has the potential to generate 180,000 MW of ocean thermal energy, however, progress in this regard has been slow. In this context, highlight the associated challenges and suggest remedial measures. (Answer in 250 words) 15

उष्णकटिबंध में भारत की अवस्थिति तथा तीन ओर से महासागरों से घेराव भारत की महासागरीय तापीय ऊर्जा तक पहुंच सुनिश्चित करते हैं।

भारत की महासागरीय ऊर्जा में प्रगति

- भारत में अभी हाल ही में ~~लद्दा~~ लक्षद्वीप में महासागरीय तापीय ऊर्जा संयत्र स्थापित किया गया है.
- जो इसकी धीमी प्रगति को उद्घाटित करता है।
- भारत में वर्तमान स्तर पर महासागरीय तापीय ऊर्जा का उत्पादन व्यवहार्य स्तर पर नहीं किया जा रहा है।
- एक प्रकार का नीतिगत शिथिलता बना हुआ है।

महासागरीय तापीय ऊर्जा उत्पादन में चुनौतियाँ:

I. आवश्यक तकनीकि दक्षता का न होना:

महासागरीय तापीय ऊर्जा कि उत्पादन हेतु महासागर की 2 परतों के मध्य ताप में अंतर 20° होना चाहिए हालांकि इसके बावजूद यह तकनीकि की जटिलता से मुक्त नहीं है।

II. स्थान की जटिलता:

तापमान में 20° का अंतर सिर्फ भूमध्यरेखा के आस-पास ही पाया जा सकता है।

III. पर्यावरणीय चिंता:

भारत मेगाडाइवर्सिटी वाला देश है तथा इसकी समुद्री जैव विविधता का संरक्षण भी ऊर्जा उत्पादन में एक प्रमुख चुनौती है।

IV. लागत संबंधी चुनौती:

चूंकि महासागरीय तापीयऊर्जा

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

रूपांतरण उभरती हुयी प्रोद्योगिकी है अत: इसकी स्थापना लागत व परिचालन लागत बहुत अधिक है।

सुधारात्मक उपाय

- वैज्ञानिकों को अन्य राष्ट्रों का अनुभव प्राप्त करवाना
- नीतिगत अंतराल को दूर करना
- R&D में निवेश बढ़ाना
- तटीय राज्यों से अंतर्राष्ट्रीय सहयोग बढ़ाना
- निजी क्षेत्र को शामिल करके वित्त प्रवाह को मजबूत करना
- जैव विविधता को संबोधित करते हुये उत्पादन करना

"नवीकरणीय ऊर्जा में भारत की प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के क्रम में महासागरीय तापीय ऊर्जा क्रिटिकल रोल निभा सकती है।"

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

20. भारत में प्राकृतिक गैस हाइड्रेट्स की उपलब्धता का वर्णन करते हुए, उनके महत्व के साथ-साथ उनके अन्वेषण से जुड़ी चुनौतियों पर चर्चा कीजिए।

Bringing out the availability of natural gas hydrates in India, discuss the promise as well as the challenges associated with their exploration. (Answer in 250 words) 15

प्राकृतिक गैस हाइड्रेट्स अर्थात हाइड्रोकार्बनिक गैसों का ठोस अवस्था में भूपर्पटी के नीचे भंडारण है, यह ऊर्जा का महत्वपूर्ण स्रोत साबित हो सकती है :

भारत में प्राकृतिक गैस हाइड्रेट्स की उपलब्धता

- भारत में यह हिमालय की तलहटी में उपस्थित है।
- कृष्णा-भीमा-गोदावरी बेसिन एक अन्य क्षेत्र है.
- साथ ही द्वीपीय क्षेत्रों में यह अंडमान निकोबार द्वीप समूह क्षेत्रों में भी पायी जाती है।
- तथा बंगाल की खाड़ी में भी इसके होने की संभावनाएं हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

मानचित्रीय प्रदर्शन

प्राकृतिक गैस हाइड्रेट्स

महत्व
- यह ऊर्जा का महत्वपूर्ण संसाधन है तथा भारत की नवी ऊर्जा में वृद्धि
- साथ ही अन्वेषण से इन क्षेत्रों में पेट्रोलियम संसाधनों की प्राप्ति की संभावना
- कार्बन पृथक्करण का स्रोत
- ग्लोबल वार्मिंग को कम करने में सहायक
- हाइड्रोकार्बन की भौतिक रासायनिक प्रकृति के अध्ययन में सहयोगी

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अन्वेषण से जुड़ी चुनौतियाँ :

I. उपयुक्त संसाधन सर्वेक्षण का अभाव
II. अन्वेषण में लगने वाली उच्च लागत
III. अन्वेषण जलवायु परिवर्तन को ट्रिगर कर सकता है.
IV. अन्वेषण तकनीकि का अभाव
V. नीतिगत अंतराल :

"प्राकृतिक गैस हाइड्रेट्स भविष्य के ऊर्जा संसाधन हैं अतः अन्वेषण को सक्षम बनाने हेतु तकनीकि अंतराल को खत्म किया जाना चाहिए।"